मधु विश्वकर्मा (वैज्ञानिक सहायक)

मौसम केन्द्र भोपाल

- देश में निर्मित यह एक 56 फीट का समुद्री जहाज है, जिसे मेक इन इंडिया अभियानके तहत निर्मित किया गया है.

- आई. एन. एस. तारिणी भारतीय नौसेना की दूसरी सेल बोटहै। उसका निर्माण गोवा में स्थित कुंभ शिपयार्ड में किया गया था।

- व्यापक समुद्री परीक्षणों के बाद उसे 18 फरवरी 2017 को भारतीय नौसेना सेवा में नियुक्त किया गया।

- नाविका सागर परिक्रमा भारतीय नौसेना के महिला नौसेना अधिकारियों द्वारा आई. एन. एस. तारिणी पर विश्व में प्रसार के लिए अभियान है।

- लेफ्टिनेंट कमांडेंट वर्तिका जोशी के नेतृत्व वाली और लेफ्टिनेंट कमांडर प्रतिभा जामवाल, लेफ्टिनेंट कमांडर स्वाति पी., लेफ्टिनेंट ऐश्वर्या बोद्दापति, लेफ्टिनेंट एस. विजया देवी और लेफ्टिनेंट पायल गुप्ता की अगुवाई में 6 सदस्यीय महिला टीम द्वारा अभियान पूर्ण किया गया ।

NAVIKA SAGAR PARIKRAMA

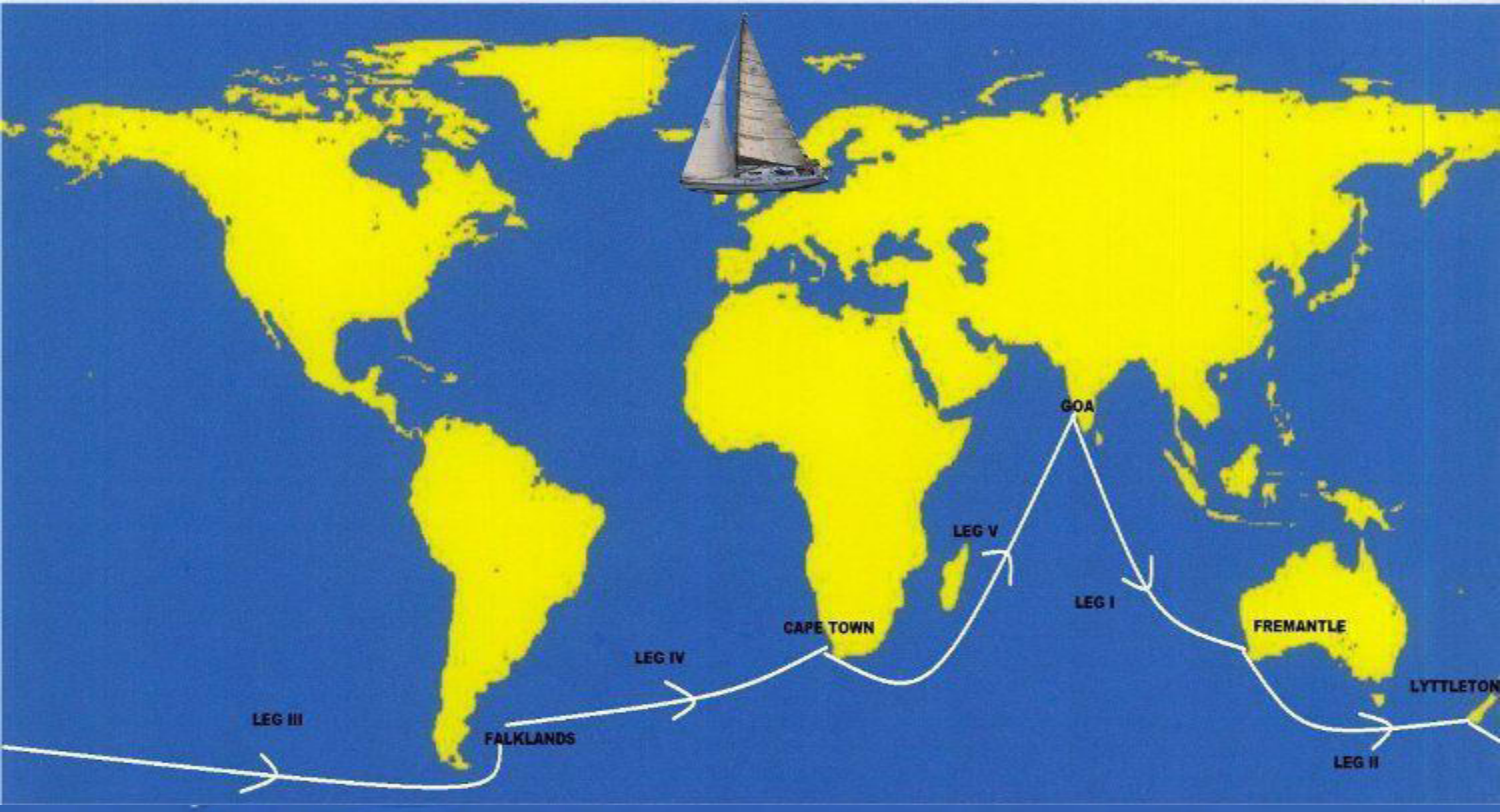

❑स्वदेशी छोटी पाल नौका आईएनएस तारिणी पर सवार लेफ्टिनेंट कमांडर वर्तिका जोशी के नेतृत्व में छह अधिकारियों के दल को रक्षा मंत्री ने पिछले साल 10 सितंबर को गोवा से रवाना किया था

❑छोटी पाल नौका में समुद्र के रास्ते दुनिया का चक्कर लगाने निकले दल ने अपने 8 महीने से ज्यादा चले साहसिक अभियान के दौरान ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और मॉरीशस होते हुए पांच चरणों मे अपना अभियान पूरा किया.

❑दल ने पांच देशों, चार महाद्वीपों और तीन महासागरों को पार करते हुए कुल 21 हजार 600 समुद्री मील का सफर तय किया.

- अभियान दल ने समुद्र के रास्ते अपने आठ महीने चले अभियान के दौरान आस्ट्रेलिया के फ्रेमन्टाइल, न्यूजीलैंड के लेटिल्टन से पोर्ट स्टेनली (फाल्कलैंड), दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन और मारिशस होते हुए पांच चरणों में अपना अभियान पूरा किया है।
- दल ने पांच देशों, चार महाद्वीपों और तीन महासागरों को पार करते हुए कुल 21 हजार 600 समुद्री मील का सफर तय किया।

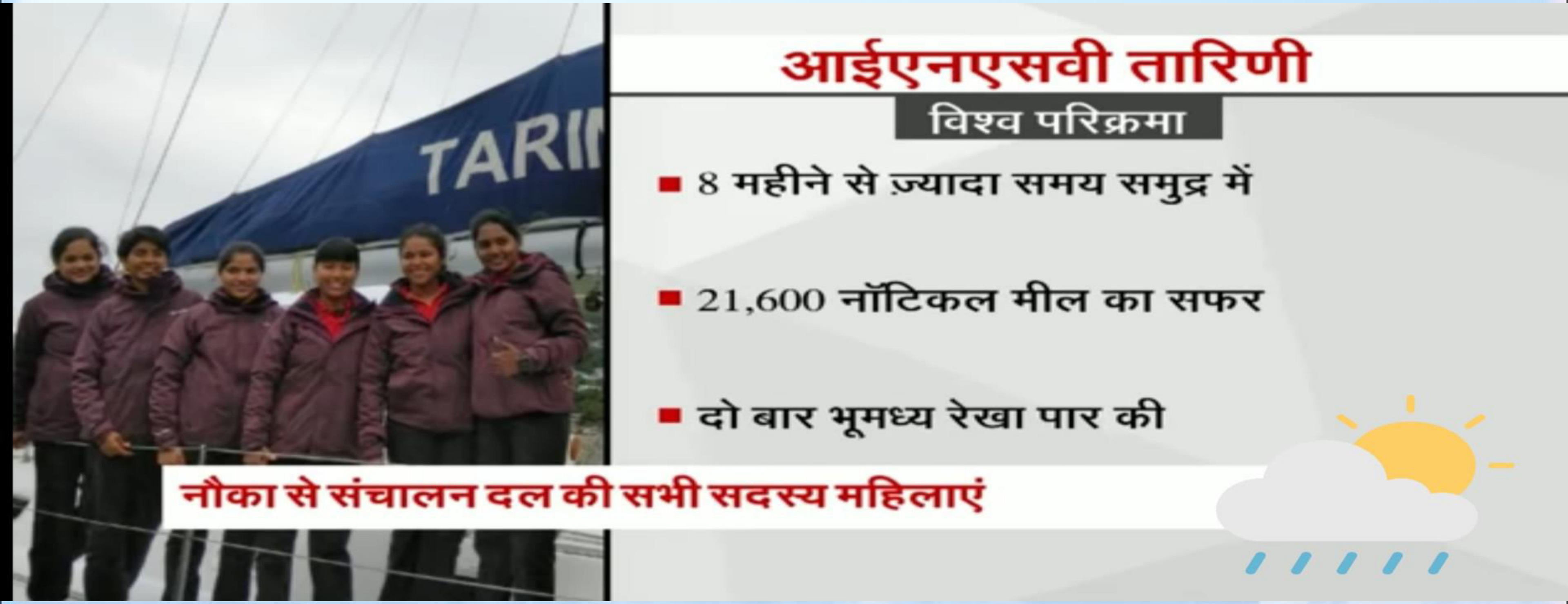

- भूमध्य रेखा क्षेत्र से भी अभियान दो बार गुजरा।

- इस दौरान दल ने 41 दिन प्रशांत सागर में बेहद कठिन मौसम में गुजारे। उन्होंने 60 समुद्री मील प्रति घंटे की रफ्तार से हवा तथा 7 मीटर ऊंची लहरों को मात देते हुए लंबी दूरी तय की है।

- दल ने बेहद प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करते हुए समुद्र का माउंट एवरेस्ट कहे जाने वाले दुर्गम समुद्री क्षेत्र केप हॉर्न में तिरंगा लहरा कर उसे पार किया था।

- इस अभियान का शीर्षक 'नविका सागर परिक्रमा' है, जिसका उद्देश्य देश में महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देना और भारतीय नौसेना द्वारा समुद्र में नौकायन करना है। अभियान हमारे राष्ट्र के युवाओं को समुद्र के बारे में समझ विकसित करने और रोमांच की भावना पैदा करने के लिए प्रेरित करेगा।

आईएनएसवी तारिणी

खासियत

- प्रसिद्ध तारा तारिणी मंदिर के नाम पर नामकरण
- गोवा के एक्वेरियस शिपयार्ड लिमिटेड में तैयार
- हॉलैंड के टोन्गा 56 के डिजाइन पर तैयार

भारतीय नेवी का दूसरा नौकायन पोत

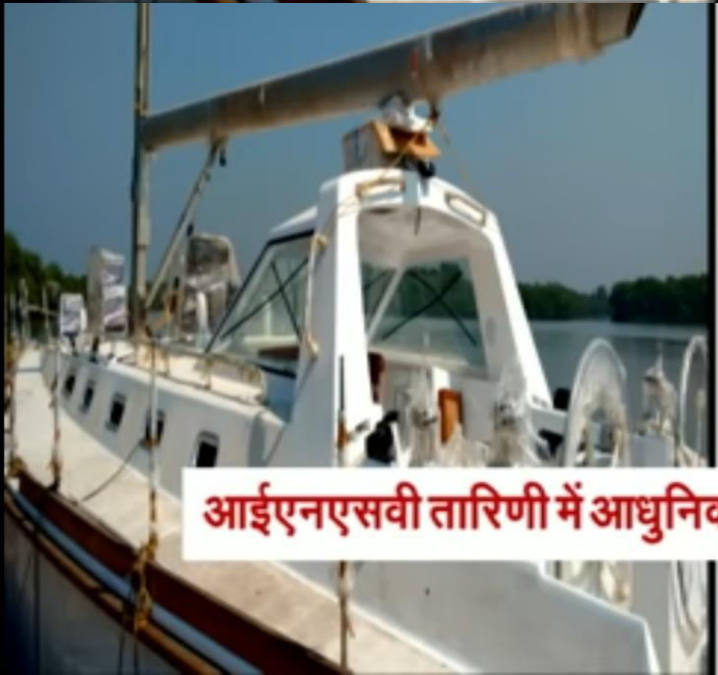

- भारतीय नेवी की दूसरी सेलबोट
- पहली सेलबोट आईएनएसवी महादेई
- 18 फरवरी 2017 को नेवी में कमिशन

आईएनएसवी तारिणी में आधुनिक नैविगेशन और सैटेलाइट कम्युनिकेशन सिस्टम

अभियान के अतिरिक्त उद्देश्य इस प्रकार हैं:

(1) नारी शक्ति। महिलाओं को उनकी पूर्ण क्षमता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय नीति के अनुरूप, अभियान का उद्देश्य विश्व मंच पर 'नारी शक्ति' का प्रदर्शन करना है। यह चुनौतीपूर्ण वातावरण में महिलाओं दवारा भागीदारी की दृश्यता बढ़ाकर भारत में महिलाओं के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण और मानसिकता को छोड़ने में मदद करेगा।

(2) पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन। नौकायन पर्यावरण के अनुकूल गैर-पारंपरिक नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के उपयोग को प्रोत्साहित करता है जो महिलाओं के जीवन को प्रभावित करता है। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं को आजीविका प्रदान करने के लिए ऊर्जा का दोहन करना है।

(3) मेक इन इंडिया। इस यात्रा का उद्देश्य स्वदेश निर्मित INSV तारिणी पर जहाज द्वारा मेक इन इंडिया 'की पहल के मामले को दिखाना भी है।

(4) मौसम विज्ञान / महासागर / वेव डेटा अवलोकन। चालक दल अनुसंधान और विकास संगठनों द्वारा बाद के विश्लेषण के लिए दैनिक आधार पर मौसम विज्ञान / महासागर / वेव डेटा को भी टकराएगा और अपडेट करेगा।

(5) समुद्री प्रदूषण। चालक दल उच्च समुद्र पर समुद्री प्रदूषण की निगरानी और रिपोर्ट करेंगे।

(6) स्थानीय पीआईओ के साथ सहभागिता। चूंकि अभियान का उद्देश्य ओशन सेलिंग और रोमांच की भावना को बढ़ावा देना है, इसलिए चालक दल विभिन्न पोर्ट हाल्ट पर स्थानीय पीआईओ के साथ बड़े पैमाने पर बातचीत करेंगे।

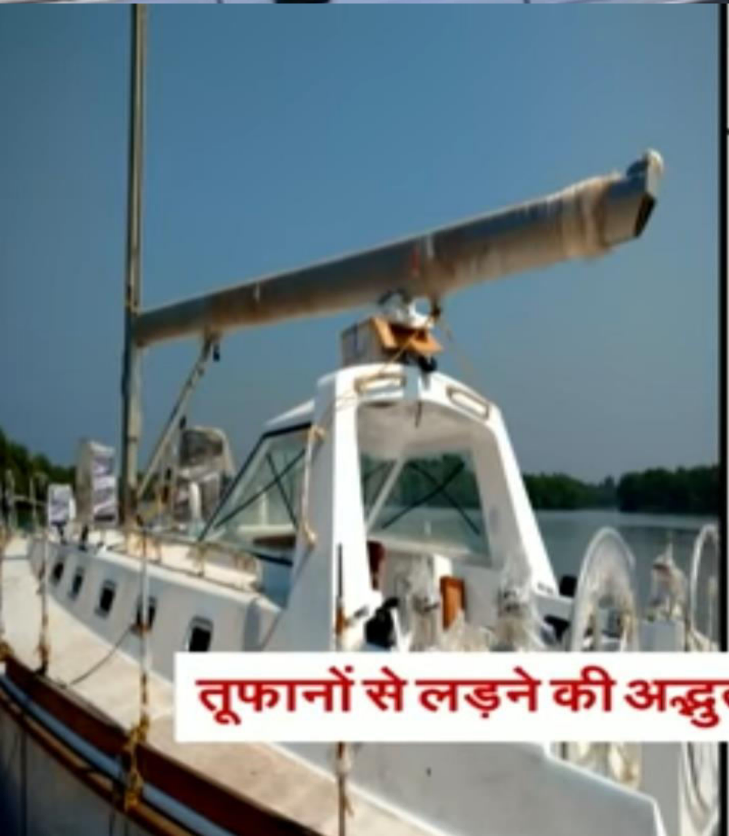

आईएनएसवी तारिणी

खासियत

- तारिणी की लंबाई 56 फीट
- तारिण की ऊंचाई 25 मीटर

तूफानों से लड़ने की अद्भुत क्षमता

- उन्होंने जो डेटा प्राप्त किया, वह नौसेना और मौसम विभाग की मदद कर रहा था, ताकि वे दक्षिण प्रशांत महासागर और महासागरों के बारे में अधिक जान सकें जहां कोई शिपिंग लाइनें नहीं हैं। ज्यादातर लोग ऐसे स्थानों पर उद्यम नहीं करते हैं।

- इसने नौसेना को उस स्थान के मौसम पैटर्न के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने में मदद की। जब हम तट से दूर चले गए, तो समुद्री प्रदूषण बहुत कम था। समुद्री प्रदूषण ज्यादातर तट के करीब था।

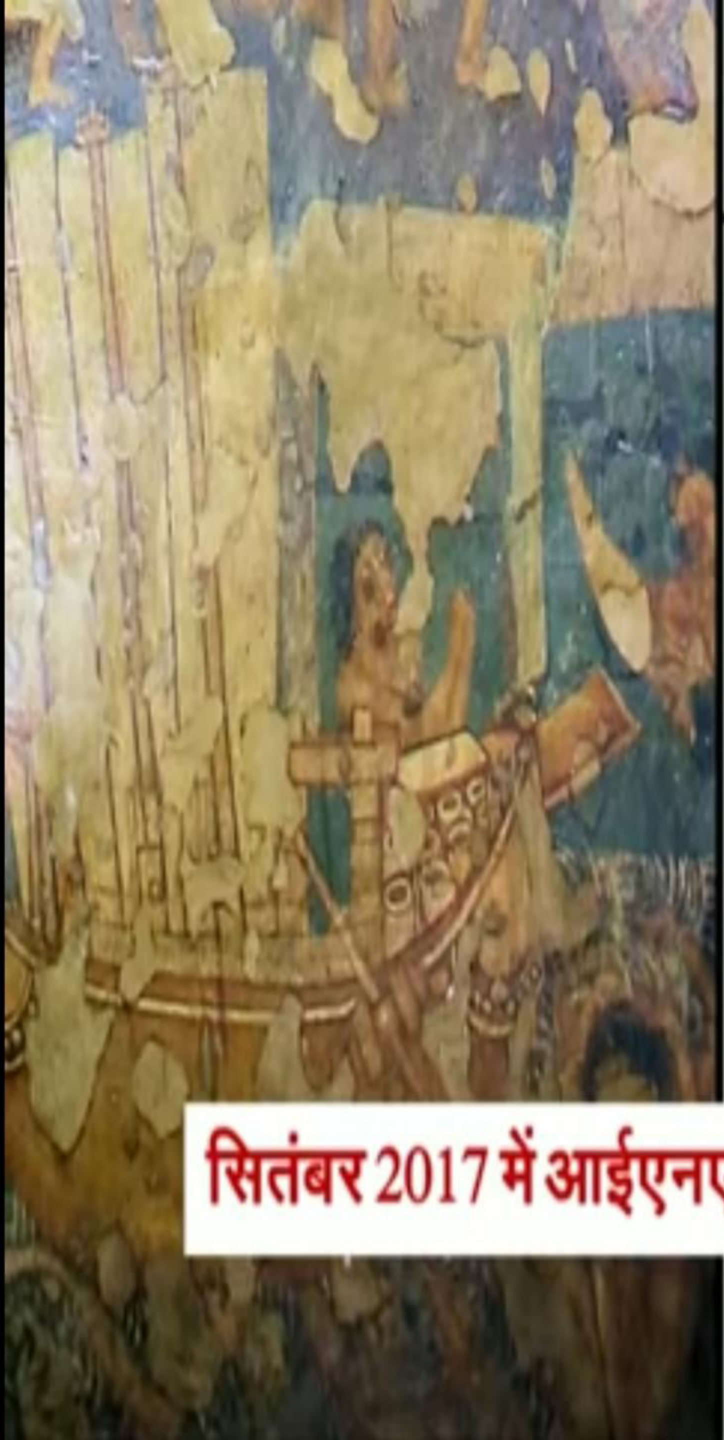

भारत में नौसेना

इतिहास

- मौर्य, मराठा, चोल राजाओं की नौसेना
- विजनगर, कलिंग, सातवहन राजाओ के पोत
- मुग़ल शासकों की नौसेनिक गतिविधियां

सितंबर 2017 में आईएनएसवी तारिणी रवाना हुई

नौसेना में महिलाएं
इतिहास
1942 में मेडिकल कॉर्प्स में भर्ती
1992 तक सशस्त्र सेना मेडिकल कोर में ही भर्ती
21 मई 2018 को दल सफलतापूर्वक गोवा लौट आया

1992 से नौसेना अल्पकालिक कमीशन मिलना शुरू
आईएनएसवी तारिणी की विश्व परिक्रमा

- 19 अगस्त 09 से 19 मई 10 तक कैप्टन दिलीप डोंडे, एससी (सेवानिवृत्त) द्वारा पहला भारतीय सोलो परिक्रमण किया गया था, जो भारतीय निर्मित पोत, INSV म्हैडी पर था।

NAVIKA SAGAR PARIKRAMA

तारिणी उतथारिणी बहती हवा सी चारणी,
हुंकार भर्ती बढ़ रही दिग्दिगत् तक चीरती ।

जब चल पड़ी षट नाविकाए भारतीय परचम लिये,
गुंजित हुआ जब दिग्दिगन्तों में गीत भारत- भारती ।।

धन्यवाद